सेतु-कार्यक्रम

हिंदी

कक्षा 5

समय-अवधि—6 सप्ताह के लिए

सेतु-कार्यक्रम

हिंदी

समय-अवधि—6 सप्ताह के लिए

कक्षा 5

हिंदी
कक्षा 5 के लिए सेतु-कार्यक्रम

प्रथम संस्करण
मार्च 2025 फाल्गुन 1946

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2025

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन. सी. ई. आर. टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110 016 फ़ोन : 011-26562708

108, 100 फ़ीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरु 560 085 फ़ोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फ़ोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट धनकल बस स्टॉप पिनहटी
कोलकाता 700 114 फ़ोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781021 फ़ोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : *एम.वी.श्रीनिवासन*

मुख्य संपादक : *बिज्ञान सुतार*

मुख्य व्यापार प्रबंधक : *अमिताभ कुमार*

सहायक संपादक : *मीनाक्षी*

आवरण एवं लेआउट

फात्मा निसर

निदेशक की कलम से...

प्रिय विद्यार्थियो एवं शिक्षको,

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् कक्षा 5 में प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थियों का हार्दिक अभिनंदन करती है। यह कक्षा एक उल्लेखनीय चरण है जहाँ हम अपने शैक्षिक व्यवहारों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 और विद्यालयी शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एन.सी.एफ.-एस.ई.) 2023 के परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के साथ संरेखित करते हैं।

हमारी प्रतिबद्धता ऐसा अधिगम अनुभव प्रदान करना है जो आनंदमयी, नवोन्मेषी और भारतीय संस्कारों से गहन रूप से संपृक्त हो। नए पाठ्यक्रम और शिक्षण-अधिगम सामग्री की रचना इस प्रकार की गई है जो अनुभवजन्य, खोज और तार्किकता पर आधारित हो ताकि विद्यार्थियों की शिक्षा-यात्रा समृद्ध बन सके। हमारे विद्यार्थी पुराने पाठ्यक्रम पर आधारित पाठ्यपुस्तक पढ़कर आए हैं जो नए दृष्टिकोण से भिन्न है। इस अंतर को समझते हुए और एक सुचारू तथा प्रभावी परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए, हमने हिंदी सहित सभी विषय क्षेत्रों में एक व्यापक छह सप्ताह का सेतु कार्यक्रम निर्मित किया है।

यह सेतु कार्यक्रम उन विद्यार्थियों हेतु नवाचारी शिक्षणशास्त्रीय पद्धतियों और विषय सामग्री सहित निर्मित किया गया है जो कक्षा 5 में प्रवेश लेने वाले हैं। इसमें शिक्षकों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश और विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए आकर्षक गतिविधियाँ हैं। हम जानते हैं कि कक्षा 5 मध्य स्तर की कक्षा के लिए एक सेतु के रूप में कार्य करती है। अतः यह भविष्य में शिक्षा की मजबूत नींव के लिए महत्वपूर्ण है।

हमें पूर्ण रूप से विश्वास है कि इस सेतु कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद विद्यार्थी नई पाठ्यपुस्तकों और अन्य शिक्षण-अधिगम सामग्री का सहजता से लाभ उठा पाएँगे। मैं सभी शिक्षकों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप सांस्कृतिकता से निहित अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने का आग्रह करता हूँ जो वसुधैव कुटुंबकम — 'विश्व एक परिवार है' — की भावना के साथ प्रतिध्वनित होती है। यह हमारी यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है और साथ मिलकर हम संपूर्ण शिक्षा समुदाय को, प्रत्येक विद्यार्थी को, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में सहयोग और सामूहिक कार्य की शक्ति का प्रदर्शन कर सकते हैं।

आइए! हम समर्पण और उत्साह के साथ, यह सुनिश्चित करते हुए अग्रसर हों कि प्रत्येक विद्यार्थी अधिगम के आनंद का अनुभव करे और अपनी संपूर्ण क्षमताओं को प्राप्त कर सके।

दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

सेतु-सामग्री निर्माण समूह

परामर्श एवं मार्गदर्शन

दिनेश प्रसाद सकलानी, *प्रोफेसर* एवं *निदेशक*, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

मञ्जुल भार्गव, *प्रोफेसर* एवं *उपाध्यक्ष*, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति

अनुराग बेहर, *सदस्य*, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा पर्यवेक्षण समिति

गजानन लोंढे, हेड, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

रंजना अरोड़ा, *प्रोफेसर एवं अध्यक्ष*, पाठ्यचर्या अध्ययन एवं विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली (सदस्य सचिव)

समिति सदस्य

अक्षय कुमार दीक्षित, *मेंटोर अध्यापक* (हिंदी), आचार्य तुलसी सर्वोदय बाल विद्यालय, छतरपुर, नई दिल्ली

कविता बिष्ट, *मुख्याध्यापिका*, केंद्रीय विद्यालय, रा.शै.अ.प्र.प. परिसर, नई दिल्ली

मोनू सिंह गुर्जर, *सहायक प्रोफेसर*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

विजय कुमार चावला, *पी.जी.टी.* (हिंदी), आरोही आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ग्योंग, कैथल, हरियाणा

शारदा कुमारी, *प्रधानाचार्य* (सेवानिवृत्त), जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, आर. के. पुरम, नई दिल्ली

स्वस्ति शर्मा, प्रोग्राम कार्यालय, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

नीलकंठ कुमार, *सहायक प्रोफेसर* (हिंदी), भाषा शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली (**सदस्य समन्वयक**)

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, विजयन के., *प्रोफेसर,* शंकर प्रसाद मोहंती, *प्रोफेसर* एवं शिवानी सैनी, *सहायक प्रोफेसर*, पाठ्यचर्या, अध्ययन एवं विकास विभाग का सेतु पाठ्यक्रम में दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, सुनीति सनवाल, *प्रोफेसर* एवं *अध्यक्ष*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग एवं सुशीला जरोदिया, *ए.पी.सी.,* प्रारंभिक शिक्षा विभाग के कार्यालयी सहयोग के लिए आभारी है।

परिषद्, फारूक अंसारी, *प्रोफेसर* एवं *अध्यक्ष*, भाषा शिक्षा विभाग का सेतु पाठ्यक्रम की प्रक्रिया में सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती है। परिषद्, हिंदी प्रकोष्ठ के प्रति भी अकादमिक एवं कार्यालयी सहयोग हेतु आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, ज्योति, *वरिष्ठ शोध सहायक* एवं रश्मि रानी, *कनिष्ठ परियोजना सहायक*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग के प्रति उनके विशेष अकादमिक योगदान एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, पारुल त्यागी, *सहायक संपादक* (संविदा) एवं संदीप कुमार, *प्रूफ रीडर* (संविदा), प्रकाशन प्रभाग के विशेष योगदान के लिए आभार व्यक्त करती है। इसके साथ परिषद् सुरेन्द्र कुमार, *डीटीपी* (प्रभारी), मोहन सिंह, विवेक मंडल एवं मनोज कुमार, *डीटीपी ऑपरेटर* (संविदा), प्रकाशन प्रभाग का आभार व्यक्त करती है।

अनुक्रमणिका

सप्ताह एक

परिचय 5

कविता पाठ एवं सामूहिक गायन 6

कहानी सुनना और सुनाना 8

सप्ताह दो

समय अवलोकन 10

संवाद लेखन 13

शब्दों से मित्रता 15

कैलेंडर को जानिए 16

सप्ताह तीन

लघुकथा आधारित गतिविधि 19

सप्ताह चार

विराम चिह्न आधारित गतिविधि 24

कविता आधारित गतिविधि 26

सप्ताह पाँच

प्रश्नों का संसार 31

भाषा की बात 34

सप्ताह छह

आपकी कहानी 37

कविता गायन 40

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता और अखंडता**] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

हिंदी

कक्षा 5 के लिए सेतु-सामग्री

सेतु-सामग्री के बारे में

विद्यालयी शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एन.सी.एफ.-एस.ई.) 2023 के परिप्रेक्ष्य पर आधारित नई पाठ्यपुस्तकों का विकास चरणबद्ध तरीके से हो रहा है, इसलिए विद्यार्थियों को पुराने पाठ्यक्रम से नए पाठ्यक्रम में सहज प्रवेश के लिए अकादमिक सहयोग की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 से पहले का पाठ्यक्रम संरचनात्मक दृष्टिकोण पर आधारित था; इसलिए दक्षताओं के विकास को अधिक महत्व नहीं दिया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 दक्षता-आधारित शिक्षा की अनुशंसा करती है। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए पाठ्यपुस्तकें एवं दक्षता-आधारित शिक्षण-अधिगम सामग्री वर्तमान में विकसित की जा रही है।

पहले चरण में, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एन.एस.टी.सी.) के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ने कक्षा 1 और 2 (बुनियादी चरण) के लिए पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया है। दूसरे चरण में कक्षा 3 और 6 के लिए नई पाठ्यपुस्तकें तैयार की जा चुकी हैं। कक्षा 2 से कक्षा 3 तक पाठ्यक्रम में सुचारू परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए तीन नए विषय-क्षेत्रों में दो सप्ताह का एक बुनियादी कार्यक्रम लागू किया गया था। इसके अंतर्गत कला, शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य और हमारे आस-पास की दुनिया जैसे नए विषयों के लिए पाठ्यपुस्तकें पहली बार उपलब्ध कराई गई हैं। कक्षा 6 के लिए प्रत्येक विषय-क्षेत्र में एक सेतु-सामग्री माह कार्यक्रम शुरू करने की आवश्यकता अनुभव की गई क्योंकि प्राथमिक विद्यालयी शिक्षा (पुराने पाठ्यक्रम के आधार पर) से मध्य-स्तर की विद्यालयी शिक्षा (एन.ई.पी. 2020 के आधार पर) में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं।

सेतु-सामग्री कार्यक्रम का उद्देश्य गतिविधियों की मासिक और आनंदमयी खेलों की श्रृंखला बनाना था जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को आनंद लेने, बातचीत करने, अपनी हिचकिचाहट दूर करने, अन्य विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ बात करने, खेलने और सरल परियोजनाओं में संलग्न होने के

अवसर देना है। इसका एक उद्देश्य सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का रचना-संसार बनाना और शिक्षकों तथा विद्यार्थियों दोनों को नए पाठ्यक्रम, नई पाठ्यपुस्तकों और सीखने के नए दृष्टिकोण के लिए तैयार करना भी है।

यह सेतु-सामग्री कक्षा 4 से कक्षा 5 में जाने वाले विद्यार्थियों के लिए है। यह सामग्री प्रारंभिक छह सप्ताह के लिए है ताकि विद्यार्थी अपेक्षित भाषायी दक्षताओं को प्राप्त कर सहजतापूर्वक पाँचवीं कक्षा की हिंदी की नई पाठ्यपुस्तक का अध्ययन कर सकें। सेतु-सामग्री को विद्यार्थियों के भाषायी कौशल को विकसित करने हेतु सप्ताहवार गतिविधि-पत्रकों के रूप में व्यवस्थित किया गया है। इस सेतु-सामग्री का उद्देश्य कक्षा 5 के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं विद्यालयी शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 के अंतर्गत निर्मित नए पाठ्यक्रम, दक्षता एवं सीखने के प्रतिफलों के अनुसार पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाना है।

शिक्षकों के लिए

सेतु-सामग्री में भाषायी कौशलों, जैसे— समझ के साथ सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना आदि को ध्यान में रखा गया है। यहाँ पर हम रोचक गतिविधियों के माध्यम से लिखने के ढेरों अवसर विद्यार्थियों को दे रहे हैं, उदाहरणार्थ— कविता पाठ, सृजनात्मक लेखन, अपठित गद्यांशों-पद्यांशों पर अपनी समझ अभिव्यक्त करना, प्रश्न पूछने की कला, संदर्भ सहित व्याकरण आधारित लेखन आदि। विद्यार्थी किसी स्थिति अथवा घटना को पढ़कर उस पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकें, यह भी महत्वपूर्ण होता है। लिखने से विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति, सृजनात्मकता, संवेदनशीलता एवं जिज्ञासा का विकास होगा। लेखन में ऐसे बहुत से कौशल सम्मिलित हैं, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित हैं। इन्हीं बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए इस सेतु-सामग्री का निर्माण किया गया है। यही कारण है कि पढ़ने और लिखने की दक्षता पर विशेष बल प्रदान किया गया है।

इन गतिविधि-पत्रकों को हल करने के बाद विद्यार्थियों में उन क्षमताओं का विकास हो सकेगा जिनके माध्यम से वे पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तक में दिए गए पाठों को सहजता से समझ सकेंगे एवं उनका अभ्यास कर सकेंगे। अपेक्षा है कि इन गतिविधि-पत्रकों में दिए गए अभ्यासों को करने के बाद विद्यार्थियों के भाषा-संबंधी ज्ञान में संवर्धन होगा।

शिक्षक पूर्व तैयारी के रूप में इस सेतु-सामग्री का प्रयोग करें। यह सामग्री अधिकांशत: गतिविधियों के रूप में ही दी गई है। इससे विद्यार्थी खेल-खेल में, रोचक तरीके से पढ़ने और लिखने आदि का अभ्यास एवं विकास कर पाएँगे। इसके साथ ही विद्यार्थी अग्रगामी पाठ्यक्रम के लिए भी तैयार हो जाएँगे। चूँकि सेतु-सामग्री अधिकांशतः गतिविधियों के रूप में है अत: यह पाठ्यपुस्तक की पूरक

सामग्री का काम करेगी एवं विद्यार्थियों पर अतिरिक्त बोझ नहीं बनेगी। साथ ही विद्यार्थी खेल-खेल में पूर्व तैयारी के रूप में गतिविधियों को करने और अपनी पाठ्यपुस्तक को उसके निर्धारित अधिगम कौशलों के साथ पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँगे।

हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारे शिक्षक-शिक्षिकाएँ इस सेतु-सामग्री का निर्धारित उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए रचनात्मक उपयोग करेंगे। इससे विद्यार्थी नई पाठ्यपुस्तक से सहज होते हुए आनंद के साथ भाषायी कौशलों को और भी विकसित और संवर्धित कर पाएँगे।

सेतु-सामग्री का समय-नियोजन

कक्षा 5

सप्ताह	उपलब्ध समय	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
सप्ताह एक	4 घंटे R1 + पुस्तकालय कालांश 1 घंटा 20 मिनट	R1 (दो कालांश)	R1 (एक कालांश + पुस्तकालय)	R1 (दो कालांश)	R1 (एक कालांश + पुस्तकालय)		
सप्ताह दो	4 घंटे R1+ पुस्तकालय कालांश 1 घंटा 20 मिनट	R1 (दो कालांश)	R1 (एक कालांश + पुस्तकालय)	R1 (दो कालांश)	R1 (एक कालांश + पुस्तकालय)		
सप्ताह तीन	4 घंटे R1 + पुस्तकालय कालांश 1 घंटा 20 मिनट	R1 (दो कालांश)	R1 (एक कालांश + पुस्तकालय)	R1 (दो कालांश)	R1 (एक कालांश + पुस्तकालय)		
सप्ताह चार	4 घंटे R1 + पुस्तकालय कालांश 1 घंटा 20 मिनट	R1 (दो कालांश)	R1 (एक कालांश + पुस्तकालय)	R1 (दो कालांश)	R1 (एक कालांश + पुस्तकालय)		
सप्ताह पाँच	4 घंटे R1 + पुस्तकालय कालांश 1 घंटा 20 मिनट	R1 (दो कालांश)	R1 (एक कालांश + पुस्तकालय)	R1 (दो कालांश)	R1 (एक कालांश + पुस्तकालय)		
सप्ताह छह	4 घंटे R1+ पुस्तकालय कालांश 1 घंटा 20 मिनट	R1 (दो कालांश)	R1 (एक कालांश + पुस्तकालय)	R1 (दो कालांश)	R1 (एक कालांश + पुस्तकालय)		

*विद्यालय चाहें तो उपलब्ध समय एवं संसाधनों के अनुसार इसमें परिवर्तन कर सकते हैं। पुस्तकालय के कालांश का उपयोग गतिविधियों के आधार पर R1 के लिए भी किया जा सकता है।

शिक्षणशास्त्रीय आकलन

अधिगम का आकलन भी एक सतत प्रक्रिया है और यह भी सीखने की प्रक्रिया के साथ प्रारंभ हो जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख बात यह है कि विद्यार्थी के अधिगम की तुलना उसके किसी सहपाठी के अधिगम स्तर से न करके उस विद्यार्थी विशेष की पूर्व प्रगति एवं अधिगम स्तर से की जाए तभी विद्यार्थी को सीखने संबंधी कोई सहायता एवं समर्थन दिया जा सकता है।

अधिगम-आकलन के संदर्भ में इस आयु के विद्यार्थियों की गतिविधियों का अवलोकन करना सर्वाधिक उपयुक्त तकनीक है। विद्यार्थियों के सुनने-बोलने का विकास, शब्द-संपदा और निजभाषा से विद्यालय की भाषा की ओर परागमन-बोध आदि का अवलोकन करना जितना आवश्यक होगा वह उतना ही महत्वपूर्ण भी होगा।

सेतु-सामग्री एवं नई पाठ्यपुस्तक में संबंध

विद्यार्थी चौथी कक्षा के पाठ्यक्रम की पाठ्यपुस्तकें पढ़ रहे हैं। ये पाठ्यपुस्तकें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 पर आधारित हैं। पाँचवीं कक्षा की पुस्तकें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार नई पाठ्य सामग्री के साथ नए पाठ्यक्रम की संरचना के आधार पर विकसित की जा रही हैं। यहीं पर प्रस्तुत सेतु-सामग्री का उद्देश्य परिलक्षित होता है। यह सेतु-सामग्री पिछले सत्र की पाठ्य सामग्री एवं नए सत्र की पाठ्य सामग्री के बीच जो अंतराल होगा, उसकी पूर्व तैयारी के रूप में है।

विद्यार्थियों के लिए

इन गतिविधि-पत्रकों को हल करने के बाद विद्यार्थियों में उन क्षमताओं का विकास हो सकेगा जिनके माध्यम से विद्यार्थी पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तक में दिए गए पाठों को सहजता से समझ सकेंगे एवं उनका अभ्यास कर सकेंगे। अपेक्षा है कि इन गतिविधि-पत्रकों में दिए गए अभ्यासों को करने के बाद विद्यार्थियों के भाषा-संबंधी ज्ञान में संवर्धन होगा। ये गतिविधियाँ आनंददायी हैं जिन्हें विद्यार्थी सहजता से कर सकेंगे। इस सेतु-सामग्री में रोचक एवं कलात्मक गतिविधियों का संयोजन किया गया है जो रुचिकर हैं। इन गतिविधियों को करते समय यदि विद्यार्थियों को किसी भी तरह की दुविधा अथवा कठिनाई का अनुभव होता है तो वे अपने शिक्षकों एवं अभिभावकों की सहायता ले सकते हैं।

सप्ताह एक

कालांश – दो

गतिविधि 1— परिचय

संबंधित पाठ्यचर्या लक्ष्य

सीजी-1 विचारों को सुसंगत रूप से समझने और संप्रेषित करने के लिए जटिल वाक्य संरचनाओं का उपयोग करते हुए मौखिक भाषा कौशल विकसित करते हैं।

कक्षा में अपना परिचय दीजिए। अपनी मनपसंद गतिविधियों के बारे में बताइए। आप कहीं घूमने गए हैं तो उसका अनुभव भी साझा कीजिए।

सीखने के प्रतिफल

व्यक्तिगत अनुभवों को विचारों से जोड़कर कक्षा में बातचीत आगे बढ़ाते हैं।

कालांश – एक

गतिविधि 2— कविता पाठ एवं सामूहिक गायन

संबंधित दक्षताएँ

C-2.1 विभिन्न प्रकार की पाठ्यवस्तु को समझने के लिए विभिन्न बोध युक्तियों (पूर्वानुमान लगाने, कल्पना करने, निष्कर्ष निकालने) का अनुप्रयोग करते हैं।

C-3.3 समुचित जानकारी और प्रयोजन से पोस्टर, निमंत्रण, सरल कविताएँ, कहानियाँ और संवाद रचते हैं।

इस कविता को मिलकर पढ़िए और आगे भी बढ़ाइए।

सुनो भई गप्प

सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

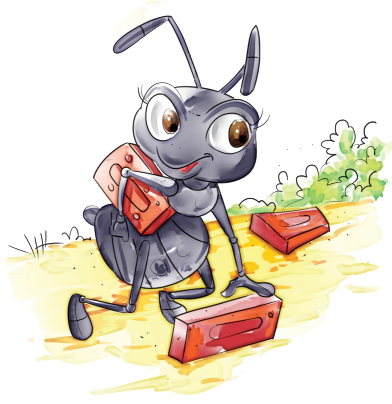

चींटी चली बजार को,
नौ मन मल के तेल,
ईंटें दो बगल में ले लीं,
सिर पर धर ली रेल।

सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

गधा चढ़ा खजूर पर,
खाने को अँगूर,
पीठ पे उसके नाच रहे थे,
पाँच-पाँच लँगूर।

सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

हाथी ढम-ढम ढोल बजाए,
ऊँट खाट पर सोए,
बिल्ली सबकी रोटी सेंके,
घोड़ा कपड़े धोए।

सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सीखने के प्रतिफल

1. पाठ्यवस्तु में स्पष्ट रूप से नहीं बताई गई सूचनाओं, घटनाओं या पात्रों के बारे में निष्कर्ष निकालते हैं।
2. पाठ्यवस्तु के विभिन्न रूपों की अपनी समझ के आधार पर पूर्वानुमान लगाते हैं कि पाठ्यवस्तु में आगे क्या हो सकता है।
3. अपनी समझ को बढ़ाने के लिए पाठ्यवस्तु के संदर्भ के बारे में कल्पना करते हैं और मानसिक छवियाँ गढ़ते हैं।
4. नए संदर्भों से दिए गए कथानकों और पात्रों के आधार पर कहानियाँ और कविताएँ लिखते हैं।

कालांश – एक

गतिविधि 3— कहानी सुनना और सुनाना

संबंधित पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षताएँ

सीजी-1 विचारों को सुसंगत रूप से समझने और संप्रेषित करने के लिए जटिल वाक्य संरचनाओं का उपयोग करते हुए मौखिक भाषा कौशल विकसित करते हैं।

C-1.2 पढ़कर सुनाई गई सामग्री से मुख्य विचार संक्षेप में प्रस्तुत करते हैं।

C-2.1 विभिन्न प्रकार की पाठ्यवस्तु को समझने के लिए विभिन्न बोध युक्तियों (पूर्वानुमान लगाने, कल्पना करने, निष्कर्ष निकालने) का अनुप्रयोग करते हैं।

C-5.1 पुस्तकालय से नियमित रूप से पुस्तकें लेकर उन्हें पढ़ने में रुचि प्रदर्शित करते हैं।

1. नीचे दी गई कहानी को ध्यान से पढ़िए और इसे अपने शब्दों में कक्षा में सुनाइए। यह भी बताइए कि यह कहानी आपको कैसी लगी। अपने उत्तर का कारण भी बताइए।

बीरबल की चतुराई

बात उस समय की है जब अकबर दिल्ली के बादशाह थे। उनके कई दरबारी थे। उनमें बीरबल का विशेष स्थान था। अकबर, बीरबल की चतुराई तथा हाज़िरजवाबी की तारीफ करते नहीं थकते थे। लेकिन उनकी यह बात दूसरे दरबारियों को अच्छी नहीं लगती थी। वे अकबर से कहते कि बीरबल में कौन-सी खास बात है कि आप उसकी इतनी प्रशंसा करते हैं। इतनी बुद्धि तो सभी में होती है। अकबर मुस्कुराकर रह जाते।

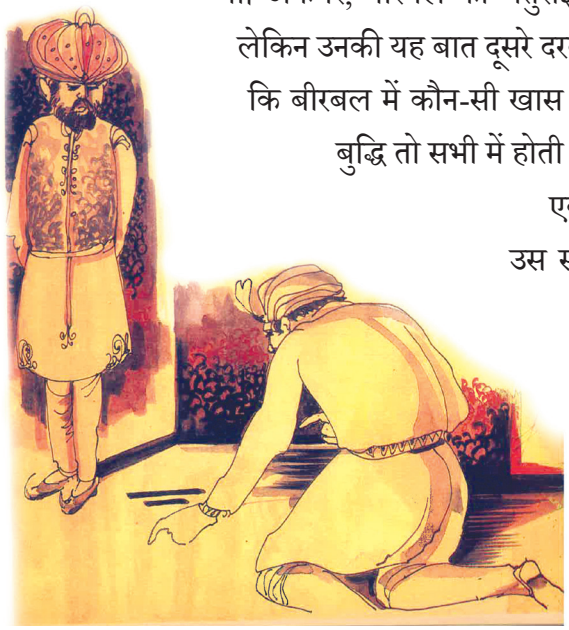

एक दिन अकबर दरबारियों के साथ बैठे हुए थे। बीरबल उस समय दरबार में नहीं थे। उसी समय दरबान ने आकर सूचना दी कि पड़ोसी राज्य से एक दूत आया है। वह बादशाह सलामत से मिलना चाहता है। अकबर ने दूत को दरबार में बुलाने की आज्ञा दी। दूत हाज़िर हुआ। उसने झुककर अकबर को सलाम किया और कहा, "बादशाह सलामत, मेरे राजा ने एक छोटा-सा सवाल पूछा है —

“क्या आपके राज्य में कोई ऐसा व्यक्ति है जो उस सवाल का जवाब दे सके?” अकबर को यह बात अच्छी नहीं लगी। वे बोले, “बताओ सवाल क्या है?” दूत ने अपनी जेब से एक खड़िया निकाली और ज़मीन पर एक लकीर खींच दी। लकीर खींचकर वह अकबर से बोला, “हजूर! मेरे राजा का सवाल यह है कि इस लकीर को बिना छुए छोटा कैसे किया जा सकता है?”

अकबर ने अपने दरबारियों की ओर देखा। उनमें से कोई इसका उत्तर न दे सका। अकबर सोच में पड़ गए। उन्हें तुरंत ख्याल आया कि इस सवाल का जवाब बीरबल ही दे सकते हैं। अकबर ने एक आदमी बीरबल के घर दौड़ाया और उन्हें उसी समय दरबार में बुलाया। बीरबल दरबार में हाज़िर हुए। उन्हें देखते ही अकबर की चिंता दूर हुई। उन्हें लगा कि सवाल का जवाब मिल जाएगा। बीरबल ने सवाल सुना और तुरंत उस लकीर के नीचे उससे बड़ी दूसरी लकीर खींच दी। वे अकबर से बोले, “यह लीजिए। लकीर छोटी हो गई।” दूत देखता ही रह गया। दरबारी भी बीरबल की बुद्धि का लोहा मान गए।

2. ऐसी ही अन्य कहानी अपने विद्यालय के पुस्तकालय में जाकर ढूँढ़िए और पढ़िए।

सीखने के प्रतिफल

1. व्यक्तिगत अनुभवों को विचारों से जोड़कर कक्षा में बातचीत आगे बढ़ाते हैं।
2. पाठ्यवस्तु के प्रमुख पक्षों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, विचारों को क्रमबद्ध करते हुए और अधिक स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए प्रश्न उठाते हुए सार प्रस्तुत करते हैं।
3. पाठ्यवस्तु में स्पष्ट रूप से नहीं बताई गई सूचनाओं, घटनाओं या पात्रों के बारे में निष्कर्ष निकालते हैं।
4. पाठ्यवस्तु के विभिन्न रूपों का अपनी समझ के आधार पर पूर्वानुमान लगाते हैं कि पाठ्यवस्तु में आगे क्या हो सकता है।
5. अपनी समझ को बढ़ाने के लिए पाठ्यवस्तु के संदर्भ के बारे में कल्पना करते हैं और मानसिक छवियाँ गढ़ते हैं।
6. अपने शिक्षक और सहपाठियों के साथ पुस्तकों और उनके बारे में उनकी राय पर चर्चा कर तदनुसार पुस्तकों का चयन करते हैं।
7. अपने विचारों, अनुभवों, जिज्ञासाओं, रुचियों और पाठ्यक्रम सामग्री के आधार पर कक्षा में और पुस्तकालय में पुस्तकों का चयन करने में समय व्यतीत करते हैं, उन्हें घर ले जाकर पढ़ते हैं तथा उन पर बात करते हैं।

सप्ताह दो

कालांश – एक

गतिविधि 1— समय अवलोकन

संबंधित पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षताएँ

C-2.1 विभिन्न प्रकार की पाठ्यवस्तु को समझने के लिए विभिन्न बोध युक्तियों (पूर्वानुमान लगाने, कल्पना करने, निष्कर्ष निकालने) का अनुप्रयोग करते हैं।

C-2.2 पढ़ी गई सामग्री में निहित मुख्य विचारों को समझते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

सीजी-4 विभिन्न स्रोतों के माध्यम से विभिन्न संदर्भों (घर और स्कूल के अनुभव) में व्यापक शब्दभंडार विकसित करते हैं।

कक्षा 5 के विद्यार्थी नीचे दी गई समय-सारणी के अनुसार ऐतिहासिक बावड़ी भ्रमण के लिए जा रहे हैं। इस समय-सारणी को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए —

समय-सारणी

समय	गतिविधि
प्रात: 8:00 बजे	विद्यार्थियों का प्रातःकालीन सभा स्थल पर एकत्रित होना।
प्रात: 8:15 बजे	कक्षा मॉनीटर द्वारा विद्यार्थियों की उपस्थिति लेना और अध्यापक को सूचित करना।
प्रात: 8:40 बजे	अध्यापक द्वारा विद्यार्थियों को आवश्यक निर्देश देना।
प्रात: 8:50 बजे	विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय के मुख्य द्वार पर खड़ी बस में नियत स्थान पर बैठना।
प्रात: 9:00 बजे	बस में बैठे विद्यार्थियों की मॉनीटर द्वारा गिनती करना।
प्रात: 10:10 बजे	भ्रमण स्थल (ऐतिहासिक बावड़ी) पर पहुँचना।
प्रात: 10:20 बजे	बावड़ी का भ्रमण।

दोपहर 12:00 बजे	विद्यार्थियों का बावड़ी के मुख्य द्वार पर एकत्रित होना और भोजन करना।
दोपहर 12:30 बजे	मॉनीटर द्वारा विद्यार्थियों की पुनः गिनती करना।
दोपहर 12:40 बजे	विद्यालय के लिए प्रस्थान।
दोपहर 2:00 बजे	विद्यालय पहुँचना।

1. कक्षा 5 के विद्यार्थी कहाँ जा रहे हैं?

(क) फिल्म देखने के लिए
(ख) परीक्षा देने के लिए
(ग) ऐतिहासिक बावड़ी भ्रमण
(घ) अपने-अपने घर

2. कक्षा मॉनीटर द्वारा कौन-से कार्य किए गए?

(क) विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं गिनती
(ख) विद्यार्थियों को निर्देश एवं उनकी गिनती
(ग) विद्यार्थियों की उपस्थिति व उन्हें भोजन देना
(घ) विद्यार्थियों की पंक्तियाँ बनवाना व निर्देश देना

3. विद्यार्थियों ने भ्रमण स्थल पर कुल कितना समय बिताया?

(क) कुल 2 घंटे
(ख) कुल 2 घंटे 20 मिनट
(ग) कुल 3 घंटे 10 मिनट
(घ) कुल 3 घंटे

4. अध्यापक ने विद्यार्थियों को क्या निर्देश दिए होंगे?

(क) भ्रमण स्थल पर गंदगी न फैलाएँ
(ख) अपनी पाठ्यपुस्तकें साथ लेकर जाएँ
(ग) भ्रमण स्थल का भरपूर आनंद लें
(घ) भ्रमण स्थल पर मनपसंद खेल खेलें

5. मॉनीटर द्वारा भ्रमण स्थल पर जाने वाले विद्यार्थियों की कुल कितनी बार गिनती की गई?

(क) एक बार
(ख) दो बार
(ग) तीन बार
(घ) चार बार

सीखने के प्रतिफल

1. पाठ्यवस्तु में स्पष्ट रूप से नहीं बताई गई सूचनाओं, घटनाओं या पात्रों के बारे में निष्कर्ष निकालते हैं।
2. पाठ्यवस्तु के विभिन्न रूपों का अपनी समझ के आधार पर पूर्वानुमान लगाते हैं कि पाठ्यवस्तु में आगे क्या हो सकता है।
3. अपनी समझ को बढ़ाने के लिए पाठ्यवस्तु के संदर्भ के बारे में कल्पना करते हैं और मानसिक छवियाँ गढ़ते हैं।
4. प्रमुख बिंदुओं और महत्वपूर्ण विवरणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पाठ्यवस्तु का क्रमबद्ध रूप से सारांश प्रस्तुत करते हैं।
5. अपने विचारों और अनुभवों के आधार पर पाठ्यवस्तु को पढ़ते हुए अपने शब्दों में निष्कर्ष निकालते हैं।
6. विभिन्न संदर्भों के बारे में अपने विचारों को प्रस्तुत करने के लिए उपयुक्त शब्दों का अनुप्रयोग करते हैं।

कालांश – एक

गतिविधि 2— संवाद लेखन

संबंधित दक्षताएँ

C-3.3 समुचित जानकारी और प्रयोजन से पोस्टर, निमंत्रण, सरल कविताएँ, कहानियाँ और संवाद रचते हैं।

C-3.4 अपने लेखन में उपयुक्त भाषा, व्याकरण और संरचना का उपयोग करते हैं।

तितली और गुलाब के फूल की बातचीत को पूरा कीजिए।

सुप्रभात गुलाब जी!

सुप्रभात तितली जी!

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सीखने के प्रतिफल

1. समुचित लिखित जानकारी और चित्रों सहित स्पष्ट उद्देश्य के साथ पोस्टर, बैनर और निमंत्रण अभिकल्पित करते हैं।
2. नए संदर्भों से दिए गए कथानकों और पात्रों के आधार पर कहानियाँ और कविताएँ लिखते हैं।
3. उपयुक्त विराम चिह्नों (अल्पविराम, पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक चिह्न और विस्मयादिबोधक चिह्न, संबंध का चिह्न और उद्धरण चिह्न) सहित सुसंगत रूप से वाक्य लिखते हैं।
4. अपने अनुभवों, अपने विचारों और पाठ्यवस्तु में निहित विचारों को लिखते समय विभिन्न प्रकार के वाक्यों का उपयोग करते हैं।

कालांश – एक

गतिविधि 3— शब्दों से मित्रता

संबंधित पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षता

सीजी-4 विभिन्न स्रोतों के माध्यम से विभिन्न संदर्भों (घर और स्कूल के अनुभव) में व्यापक शब्दभंडार विकसित करते हैं।

C-4.1 शब्दों के अर्थों पर चर्चा करते हैं और विभिन्न प्रकार की पाठ्यवस्तु को सुनकर और पढ़कर शब्दावली विकसित करते हैं।

1. मलयालम, इस शब्द को जब उल्टा या सीधा लिखते अथवा पढ़ते हैं तो यह एकसमान ही रहता है। आप भी ऐसे ही कुछ और शब्द ढूँढ़कर नीचे लिखिए।

मलयालम	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

2. शब्दों की अंत्याक्षरी को पूरा कीजिए।

नारियल	लहसुन	नगर	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

सीखने के प्रतिफल

1. शब्दकोश की सहायता से नए शब्दों के अर्थ खोजते हैं।
2. विभिन्न संदर्भों के बारे में अपने विचारों को प्रस्तुत करने के लिए उपयुक्त शब्दों का अनुप्रयोग करते हैं।
3. अपने लेखन में समान ध्वनि वाले भिन्नार्थक शब्दों, शब्दों की मूल धातु, उपसर्गों, प्रत्ययों, समानार्थक शब्द और विलोम शब्दों के ज्ञान का उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए, मूल धातु— चय: संचय, निश्चय।

कालांश – एक

गतिविधि 4— कैलेंडर को जानिए

संबंधित पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षताएँ

सीजी-2 परिचित और अपरिचित पाठ्यवस्तु (जैसे गद्य और पद्य) के विभिन्न रूपों की बुनियादी समझ विकसित करके अर्थबोध सहित पढ़ने की क्षमता विकसित करते हैं।

C-2.1 विभिन्न प्रकार की पाठ्यवस्तु को समझने के लिए विभिन्न बोध युक्तियों (पूर्वानुमान लगाने, कल्पना करने, निष्कर्ष निकालने) का अनुप्रयोग करते हैं।

C-2 .2 पढ़ी गई सामग्री में निहित मुख्य विचारों को समझते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

नीचे दर्शाया गया कैलेंडर मार्च महीने का है। इसे ध्यानपूर्वक देखते हुए दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

मार्च

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13 होलिका दहन	14 होली	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30 गुड़ी पड़वा, उगादी	31 ईद-उल- फ़ितर					

1. दिए गए कैलेंडर में महीने की शुरुआत किस दिन से हो रही है?

.....

2. मार्च, वर्ष का कौन-सा महीना होता है?

.....

3. दिए गए कैलेंडर में कितने सप्ताह हैं?

.....

4. दिए गए महीने में कितने दिन हैं?

.....

5. कैलेंडर में दूसरा शनिवार किस दिनांक को है?

.....

6. गुड़ी पड़वा त्योहार महीने के किस दिन है? यह कहाँ मनाया जाता है?

.....

7. होली किस दिनांक को मनाई जाएगी?

.....

8. महीने के तीसरे सप्ताह में सोमवार किस दिनांक को है?

.....

9. दिए गए कैलेंडर में कितने रविवार हैं?

.....

10. महीने के अंतिम दिन कौन-सा त्योहार है?

.....

11. यदि महीने का पहला मंगलवार, दिनांक 4 को है तो महीने का तीसरा मंगलवार किस दिनांक को है?

.....

12. होलिका दहन किस दिन मनाया जाएगा?

.....

13. अगर दिनांक 19 को बुधवार है तो अगला बुधवार किस दिनांक को है?

.....

सीखने के प्रतिफल

1. पाठ्यवस्तु में स्पष्ट रूप से नहीं बताई गई सूचनाओं, घटनाओं या पात्रों के बारे में निष्कर्ष निकालते हैं।
2. पाठ्यवस्तु के विभिन्न रूपों का अपनी समझ के आधार पर पूर्वानुमान लगाते हैं कि पाठ्यवस्तु में आगे क्या हो सकता है।
3. अपनी समझ को बढ़ाने के लिए पाठ्यवस्तु के संदर्भ के बारे में कल्पना करते हैं और मानसिक छवियाँ गढ़ते हैं।
4. प्रमुख बिंदुओं और महत्वपूर्ण विवरणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पाठ्यवस्तु का क्रमबद्ध रूप से सारांश प्रस्तुत करते हैं।
5. अपने विचारों और अनुभवों के आधार पर पाठ्यवस्तु को पढ़ते हुए अपने शब्दों में निष्कर्ष निकालते हैं।

सप्ताह तीन

कालांश – चार

गतिविधि 1— लघुकथा आधारित गतिविधि

संबंधित पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षताएँ

सीजी-2 परिचित और अपरिचित पाठ्यवस्तु (जैसे गद्य और पद्य) के विभिन्न रूपों की बुनियादी समझ विकसित करके अर्थबोध सहित पढ़ने की क्षमता विकसित करते हैं।

C 2.1 विभिन्न प्रकार की पाठ्यवस्तु (गद्य और पद्य) को समझने के लिए विभिन्न बोध युक्तियों (पूर्वानुमान लगाने, कल्पना लगाने, निष्कर्ष लगाने) का अनुप्रयोग करते हैं।

C 2.2 पढ़ी गई सामग्री में निहित मुख्य विचारों को समझते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

C-3.3 समुचित जानकारी और प्रयोजन से पोस्टर, निमंत्रण, सरल कविताएँ, कहानियाँ और संवाद रचते हैं।

C-3.4 अपने लेखन में उपयुक्त भाषा, व्याकरण और संरचना का उपयोग करते हैं।

नीचे एक लघुकथा दी गई है। इसे ध्यान से पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए —

एक किसान अपना खेत जोत रहा था। अचानक कहीं से एक भालू आ गया। भालू किसान को मारने झपटा। किसान ने कहा, "मुझे क्यों मारते हो? उपज होने दो, जो कहोगे वही खिलाऊँगा।"

भालू ने कहा, "भूमि के ऊपर की उपज मेरी और नीचे की तुम्हारी रहेगी।"

किसान ने आलू बो दिए। उपज हुई तो भालू को पत्ते खाने को मिले। भालू चिढ़कर रह गया।

अगली बार भालू ने कहा, "देखो, इस बार भूमि के नीचे की उपज मेरी और ऊपर की तुम्हारी।"

इस बार किसान ने गेहूँ बो दिया। जब उपज हुई तो किसान को मिले चमकीले गेहूँ। भालू को मिलीं केवल जड़ें। भालू खीझकर रह गया।

इस बार भालू ने किसान को पाठ पढ़ाने की सोची। उसने किसान से कहा, "भूमि के सबसे ऊपर और भूमि के नीचे की उपज मेरी।" किसान मान गया।

इस बार किसान ने लगाया गन्ना। जब उपज हुई तो भालू को मिले पत्ते और जड़ें। भालू का सिर चकरा गया।

प्रश्न 1. एक किसान अपना खेत जोत रहा था। इस वाक्य में 'एक' शब्द किसके रूप में प्रयुक्त हुआ है?

(क) क्रिया (ख) संज्ञा

(ग) सर्वनाम (घ) विशेषण

उत्तर .....

प्रश्न 2. किसान ने सबसे पहले कौन-सी फसल बोई?

(क) गन्ना (ख) गेहूँ

(ग) आलू (घ) धान

उत्तर .....

प्रश्न 3. किसान ने भालू से बचने के लिए क्या किया?

उत्तर .....

.....

.....

प्रश्न 4. "देखो इस बार भूमि के नीचे की उपज मेरी और ऊपर की तुम्हारी।" यह कथन भालू ने कब और क्यों कहा?

उत्तर .....

.....

.....

प्रश्न 5. किसान की जगह यदि आप होते तो भालू से बचने के लिए क्या करते?

उत्तर .....

.....

.....

प्रश्न 6. नीचे दिए गए वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए—

(क) कौन किसान पर झपटा

(ख) मुझे क्यों मारते हो

(ग) आप किसान होते तो क्या करते

(घ) भालू का सिर चकरा गया

(ङ) किसान ने अंत में क्या लगाया

प्रश्न 7. कहानी में आए कोई पाँच संज्ञा शब्दों की पहचान कर नीचे लिखिए। उनसे वाक्य भी बनाइए।

जैसे—

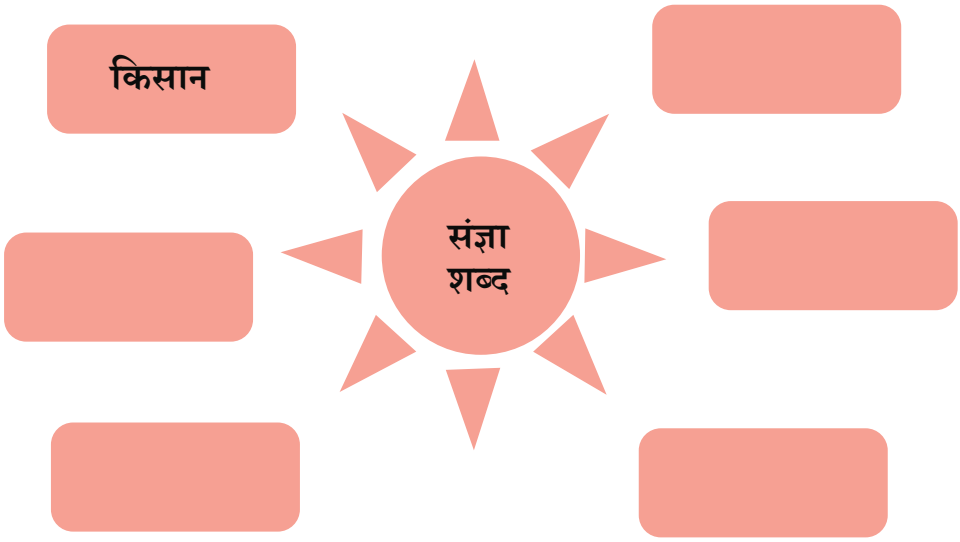

.....

.....

.....

.....

.....

विद्यार्थियों और भालू की गपशप

आप विद्यालय के प्रांगण में बैठे हुए हैं। अचानक भालू आकर आपसे बातें करने लगता है। आपके और भालू के बीच क्या बातें हुई होंगी? नीचे लिखिए।

भालू .....

आप .....

भालू .....

आप .....

भालू .....

आप .....

भालू .....

आप .....

भालू .....

आप .....

सीखने के प्रतिफल

1. पाठ्यवस्तु में स्पष्ट रूप से नहीं बताई गई सूचनाओं, घटनाओं या पात्रों के बारे में निष्कर्ष निकालते हैं।
2. पाठ्यवस्तु के विभिन्न रूपों का अपनी समझ के आधार पर पूर्वानुमान लगाते हैं कि पाठ्यवस्तु में आगे क्या हो सकता है।
3. अपनी समझ को बढ़ाने के लिए पाठ्यवस्तु के संदर्भ के बारे में कल्पना करते हैं और मानसिक छवियाँ गढ़ते हैं।
4. प्रमुख बिंदुओं और महत्वपूर्ण विवरणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पाठ्यवस्तु का क्रमबद्ध रूप से सारांश प्रस्तुत करते हैं।
5. अपने विचारों और अनुभवों के आधार पर पाठ्यवस्तु को पढ़ते हुए अपने शब्दों में निष्कर्ष निकालते हैं।
6. नए संदर्भों से दिए गए कथानकों और पात्रों के आधार पर कहानियाँ और कविताएँ लिखते हैं।
7. उपयुक्त विराम चिह्नों (अल्पविराम, पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक चिह्न और विस्मयादिबोधक चिह्न, संबंध का चिह्न और उद्धरण चिह्न) सहित सुसंगत रूप से वाक्य लिखते हैं।
8. अपने अनुभवों, अपने विचारों और पाठ्यवस्तु में निहित विचारों को लिखते समय विभिन्न प्रकार के वाक्यों का उपयोग करते हैं।

सप्ताह चार

कालांश – एक

गतिविधि 1— विराम चिह्न आधारित गतिविधि

संबंधित दक्षता

C-3.4 अपने लेखन में उपयुक्त भाषा, व्याकरण और संरचना का उपयोग करते हैं।

नीचे लिखे गए गद्यांश में उपयुक्त विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए गद्यांश को पुनः लिखिए —

गरमी की छुट्टियाँ थीं दोपहर के समय दिनेश घर में बैठा कोई कहानी पढ़ रहा था तभी पेड़ के पत्तों को हिलाती हुई कोई वस्तु धम्म से घर के पीछे वाले बगीचे में गिरी दिनेश आवाज से पहचान गया कि वो वस्तु क्या हो सकती है वह एकदम से उठकर बरामदे की चिक सरकाकर बगीचे की ओर भागा अरे अरे बेटा कहाँ जा रहा है बाहर लू चल रही है दिनेश की माँ मशीन चलाते-चलाते एकदम ज़ोर से बोलीं परंतु दिनेश रुका नहीं उसने पैरों में चप्पल भी नहीं पहनी जून का महीना था धरती तवे की तरह तप रही थी पर दिनेश को पैरों के जलने की भी चिंता नहीं थी वह जहाँ से आवाज आई थी उस ओर भाग चला

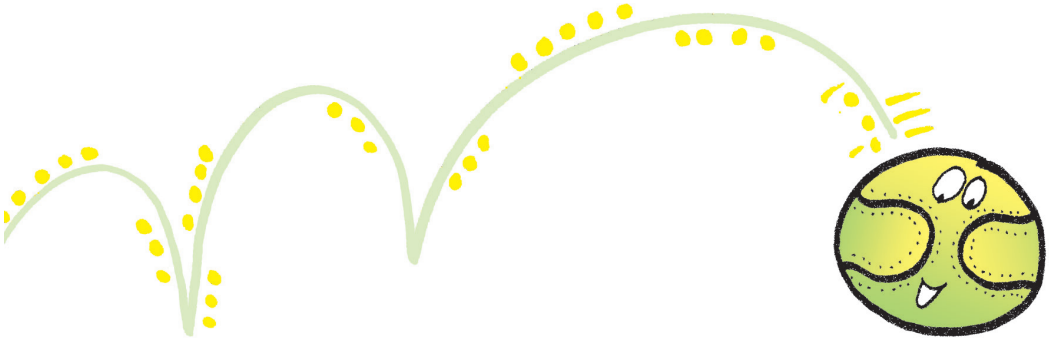

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सीखने के प्रतिफल

1. उपयुक्त विराम चिह्नों (अल्पविराम, पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक चिह्न और विस्मयादिबोधक चिह्न, संबंध का चिह्न और उद्धरण चिह्न) सहित सुसंगत रूप से वाक्य लिखते हैं।
2. अपने अनुभवों, अपने विचारों और पाठ्यवस्तु में निहित विचारों को लिखते समय विभिन्न प्रकार के वाक्यों का उपयोग करते हैं।

कालांश – तीन

गतिविधि 2— कविता आधारित गतिविधि

संबंधित दक्षताएँ

C-2.1 विभिन्न प्रकार की पाठ्यवस्तु को समझने के लिए विभिन्न बोध युक्तियों (पूर्वानुमान लगाने, कल्पना करने, निष्कर्ष निकालने) का अनुप्रयोग करते हैं।

C-2.2 पढ़ी गई सामग्री में निहित मुख्य विचारों को समझते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।

C-3.3 समुचित जानकारी और प्रयोजन से पोस्टर, निमंत्रण, सरल कविताएँ, कहानियाँ और संवाद रचते हैं।

दी गई कविता को ध्यान से पढ़िए और आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

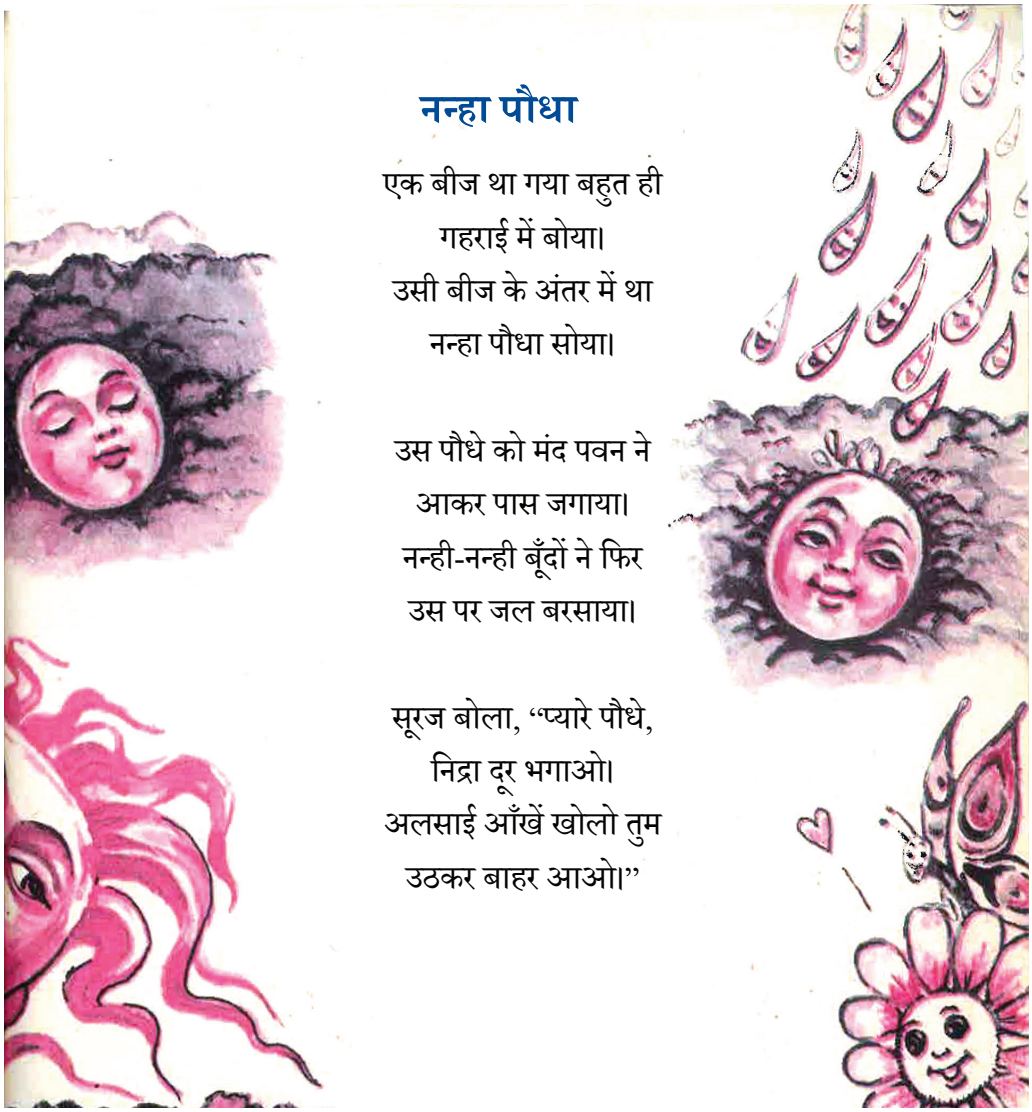

नन्हा पौधा

एक बीज था गया बहुत ही
गहराई में बोया।
उसी बीज के अंतर में था
नन्हा पौधा सोया।

उस पौधे को मंद पवन ने
आकर पास जगाया।
नन्ही-नन्ही बूँदों ने फिर
उस पर जल बरसाया।

सूरज बोला, "प्यारे पौधे,
निद्रा दूर भगाओ।
अलसाई आँखें खोलो तुम
उठकर बाहर आओ।"

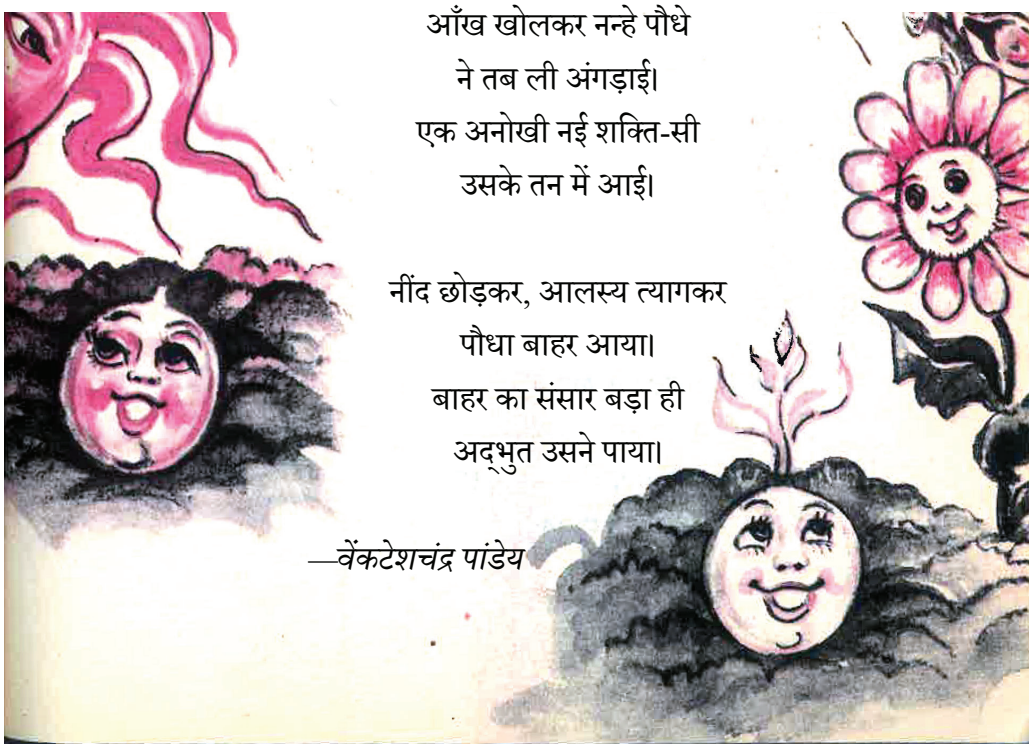

आँख खोलकर नन्हे पौधे
ने तब ली अंगड़ाई।
एक अनोखी नई शक्ति-सी
उसके तन में आई।

नींद छोड़कर, आलस्य त्यागकर
पौधा बाहर आया।
बाहर का संसार बड़ा ही
अद्‌भुत उसने पाया।

—वेंकटेशचंद्र पांडेय

1. आपके अनुसार निम्न में से कौन-सा शीर्षक इस कविता का अन्य उचित शीर्षक हो सकता है?

(क) नया पौधा
(ख) नन्हा बीज
(ग) प्यारा पौधा
(घ) सोया पौधा

2. पौधे को किसने जगाया?

(क) नन्ही-नन्ही बूँदों ने
(ख) मंद पवन ने
(ग) सूरज ने
(घ) बादल ने

3. कविता में से समान तुक वाले शब्द छाँटिए।

जैसे— बोया – सोया

....

....

4. नन्हे पौधे ने बाहर का संसार कैसा पाया?

उत्तर .....

5. कविता में जिस प्रकार पौधे के लिए नन्हा शब्द का प्रयोग किया गया है उसी प्रकार अपने निम्नलिखित संबंधियों के लिए आप किसी विशेष शब्द का प्रयोग कीजिए —

(क) भाई – छोटा भाई

(ख) चाचा जी – .....

(ग) दीदी – .....

(घ) मित्र – .....

(ङ) बहन – .....

6. कविता से बनी समझ के आधार पर मिलान कीजिए—

(क) उसी बीज के अंतर में था	उठकर बाहर आओ।
(ख) नन्ही-नन्ही बूँदों ने फिर	अद्भुत उसने पाया।
(ग) अलसाई आँखें खोलो तुम	नन्हा पौधा सोया।
(घ) एक अनोखी नई शक्ति-सी	उस पर जल बरसाया।
(ङ) बाहर का संसार बड़ा ही	उसके तन में आई।

7. सूर्य के लिए दिनकर, भास्कर, आदित्य, सूरज आदि शब्द प्रयुक्त होते हैं। ये सभी शब्द सूर्य के समानार्थी शब्द कहलाते हैं।

नीचे दी गई शब्द पहेली में **आसमान**, **बादल**, **पानी** तथा **आँख** के समानार्थी शब्द दिए गए हैं। आप इनके दो-दो समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए और वाक्य भी बनाइए—

शब्द पहेली

न	ज	नी	ने	त्र
य	ल	र		र
न	द	ग	मे	घ
	न	भ	ग	
आ	का	श	ज	ल

आसमान	बादल	पानी	आँख
आकाश			

वाक्य– आज **आकाश** में बादल छाए हुए हैं।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

8. कविता में आए निम्न शब्दों का प्रयोग करते हुए कविता से अलग एक-एक वाक्य लिखिए —

पवन, आलस्य, अद्‌भुत, अंगड़ाई, शक्ति

(क) .....

(ख) .....

(ग) .....

(घ) .....

(ङ) .....

9. **नीचे दिए गए चित्र सूखे पत्तों की सहायता से बनाए गए हैं। आप भी सूखे पत्तों का प्रयोग करके इन चित्रों को बनाइए। आप इन चित्रों के अतिरिक्त कोई अन्य चित्र भी बना सकते हैं। इन चित्रों को बनाने में आप अपने शिक्षक या अभिभावक की सहायता ले सकते हैं।**

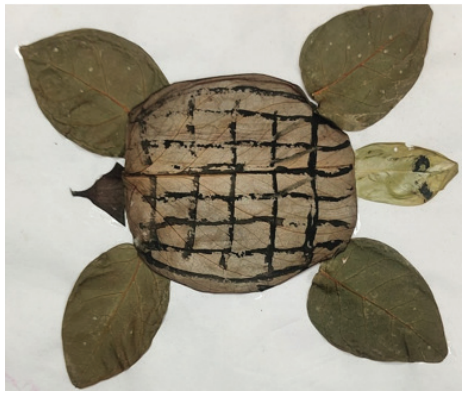

सीखने के प्रतिफल

1. पाठ्यवस्तु में स्पष्ट रूप से नहीं बताई गई सूचनाओं, घटनाओं या पात्रों के बारे में निष्कर्ष निकालते हैं।
2. पाठ्यवस्तु के विभिन्न रूपों का अपनी समझ के आधार पर पूर्वानुमान लगाते हैं कि पाठ्यवस्तु में आगे क्या हो सकता है।
3. अपनी समझ को बढ़ाने के लिए पाठ्यवस्तु के संदर्भ के बारे में कल्पना करते हैं और मानसिक छवियाँ गढ़ते हैं।
4. अपने विचारों और अनुभवों के आधार पर पाठ्यवस्तु को पढ़ते हुए अपने शब्दों में निष्कर्ष निकालते हैं।
5. प्रमुख बिंदुओं और महत्वपूर्ण विवरणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पाठ्यवस्तु का क्रमबद्ध रूप से सारांश प्रस्तुत करते हैं।
6. समुचित लिखित जानकारी और चित्रों सहित स्पष्ट उद्देश्य के साथ पोस्टर, बैनर और निमंत्रण अभिकल्पित करते हैं।
7. नए संदर्भों से दिए गए कथानकों और पात्रों के आधार पर कहानियाँ और कविताएँ लिखते हैं।

सप्ताह पाँच

कालांश – दो

गतिविधि 1— प्रश्नों का संसार

संबंधित दक्षताएँ

C-3.4 अपने लेखन में उपयुक्त भाषा, व्याकरण और संरचना का उपयोग करते हैं।

C-2.1 विभिन्न प्रकार की पाठ्यवस्तु को समझने के लिए विभिन्न बोध युक्तियों (पूर्वानुमान लगाने, कल्पना करने, निष्कर्ष निकालने) का अनुप्रयोग करते हैं।

C-3.4 अपने लेखन में उपयुक्त भाषा, व्याकरण और संरचना का उपयोग करते हैं।

1. क्यों, कहाँ, कब, कैसे और क्या शब्दों का प्रयोग करते हुए दो-दो प्रश्न बनाइए।

क्यों

शबनम ने भोजन क्यों नहीं किया?

कहाँ

कब

कैसे

क्या

.....

.....

2. दिए गए समाचार को ध्यान से पढ़कर उससे संबंधित दस प्रश्न बनाइए।

एशियाई शेर के लिए मीठी गोलियाँ

नई दिल्ली: घाघस एक एशियाई शेर चिकित्सा की दुनिया का एक जीता जागता चमत्कार बन गया। बचने की कोई उम्मीद न होने पर भी आज वह ज़िंदा है और पहले की तरह गरजता है।

घाघस को अक्टूबर 2004 को दिल्ली के चिड़ियाघर में लाया गया था। वह चिड़ियाघर के माहौल में अच्छी तरह से रम गया था। 15 मार्च को उसने रोज़ की तरह अपना खाना पूरा नहीं खाया। चिड़ियाघर के डॉक्टरों ने इस बात पर ध्यान देते हुए उसे तीन दिन तक लगातार सुई लगाई। पर इससे उसे कोई फ़ायदा न हुआ, अब तो उसने खाना एकदम छोड़ ही दिया था और मुँह से लार भी बहने लगी थी।

घाघस की गिरती हुई हालत देख उसके खून के नमूने जाँच के लिए भेजे गए। हालाँकि इस बीच घाघस ने थोड़ा-बहुत तो खाना शुरू कर ही दिया था पर उसकी हालत ठीक नहीं कही जा सकती थी।

वह अपने पिछले पैरों से लँगड़ाने भी लगा था और ठीक से खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। दिल्ली के चिड़ियाघर के निदेशक डी.एन. सिंह ने बताया "एक महीने बाद तो हालत यह हो गई कि घाघस अपने शरीर का पिछला हिस्सा उठाने में असमर्थ हो गया। हमने उसे नियमित रूप से दिए जाने वाले माँस के स्थान पर मटन और चिकन खाने के लिए दिया। खाने में किए गए बदलाव का असर हुआ और घाघस ने 70-80 प्रतिशत तक खाना खाया जो कि एक अच्छा संकेत था। हालाँकि उसकी हालत में कोई सुधार नज़र नहीं आ रहा था।

घाघस को इलाज के लिए दूसरे विशेष चिकित्सकीय पिंजरे में रखा गया। उसके इलाज में कोई कोताही नहीं बरती जा रही थी, उसके शरीर की भाप से सिंकाई भी की जाती थी और अब वह भोजन भी अच्छी तरह से लेने लग गया था पर हालत उसकी वैसी ही बनी हुई थी। चिड़ियाघर के सभी लोग चिंतित हो गए।

हालत ऐसी हो गई थी कि अब दिन गिनने के अलावा कोई चारा न था

घाघस की यह दशा देखकर हमने गुजरात के वन्यजीव विशेषज्ञों से यह सोचकर सलाह लेने का निर्णय किया कि सिंह भारत में सिर्फ़ गुजरात के गिर जंगलों में पाए जाते हैं, शायद वे ही कोई राह सुझा सकें।" सिंह ने आगे बताया गुजरात के प्रमुख वन्यजीव संरक्षक ने उन्हें आणंद के डॉक्टर आर.जी. जानी से संपर्क करने का सुझाव दिया।

घाघस के इलाज की रिपोर्ट देखने के बाद डॉ जानी ने उसे होम्योपैथी दवाइयाँ देने की सलाह दी। होम्योपैथी इलाज शुरू होने के दो माह के भीतर ही घाघस की हालत सुधरनी शुरू हो गई और अब वह अपने चारों पैरों पर खड़ा हो पा रहा था। यह बात है 3 अगस्त की यानी कि पूरे छह माह वह तकलीफ़ में रहा। बीमारी की वजह से वह बहुत कमज़ोर हो गया है पर हालात में अभी सुधार है।

1. घाघस को दिल्ली के चिड़ियाघर में कब लाया गया?

2.....

3.....

4.....

5.....

6.....

7.....

8.....

9.....

10.....

सीखने के प्रतिफल

1. पाठ्यवस्तु में स्पष्ट रूप से नहीं बताई गई सूचनाओं, घटनाओं या पात्रों के बारे में निष्कर्ष निकालते हैं।
2. पाठ्यवस्तु के विभिन्न रूपों का अपनी समझ के आधार पर पूर्वानुमान लगाते हैं कि पाठ्यवस्तु में आगे क्या हो सकता है।
3. अपनी समझ को बढ़ाने के लिए पाठ्यवस्तु के संदर्भ के बारे में कल्पना करते हैं और मानसिक छवियाँ गढ़ते हैं।
4. उपयुक्त विराम चिह्नों (अल्पविराम, पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक चिह्न और विस्मयादिबोधक चिह्न, संबंध का चिह्न और उद्धरण चिह्न) सहित सुसंगत रूप से वाक्य लिखते हैं।
5. अपने अनुभवों, अपने विचारों और पाठ्यवस्तु में निहित विचारों को लिखते समय विभिन्न प्रकार के वाक्यों का उपयोग करते हैं।

कालांश – दो

गतिविधि 2— भाषा की बात

संबंधित पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षता

सीजी-4 विभिन्न स्रोतों के माध्यम से विभिन्न संदर्भों (घर और स्कूल के अनुभव) में व्यापक शब्दभंडार विकसित करते हैं।

C-4.1 शब्दों के अर्थों पर चर्चा करते हैं और विभिन्न प्रकार की पाठ्यवस्तु को सुनकर और पढ़कर शब्दावली विकसित करते हैं।

1. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर इनके लिए उपयुक्त विशेषण शब्द लिखिए। आप एक से अधिक विशेषण शब्द भी लिख सकते हैं।

चित्र	विशेषण
	रंग-बिरंगे खिलौने
	.....

	.....
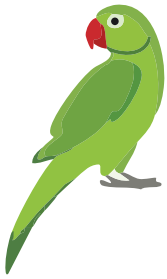	.....
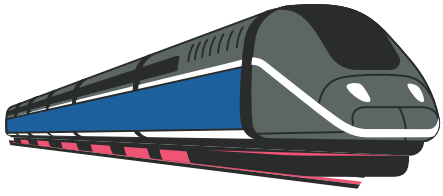	.....
	.....

2. नीचे दिए गए शब्दांशों वाले पहिए में से उचित शब्दांश को मूल शब्द के साथ जोड़कर नए शब्द बनाइए—

जैसे— सु + पुत्र = सुपुत्र तथा खिलौने + वाला = खिलौनेवाला

(क) ..... + सत्य = ... (ख) ..... + सार = ...

(ग) दया + ... = ... (घ) फल + ... = ...

(ङ) शक्ति + ... = ... (च) बल + ... = ...

(छ) ..... + रूप = ... (ज) ..... + योग्य = ...

सीखने के प्रतिफल

1. शब्दकोश की सहायता से नए शब्दों के अर्थ खोजते हैं।
2. विभिन्न संदर्भों के बारे में अपने विचारों को प्रस्तुत करने के लिए उपयुक्त शब्दों का अनुप्रयोग करते हैं।
3. अपने लेखन में समान ध्वनि वाले भिन्नार्थक शब्दों, शब्दों की मूल धातु, उपसर्गों, प्रत्ययों, समानार्थक शब्द और विलोम शब्दों के ज्ञान का उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए, मूल धातु— चय: संचय, निश्चय।

सप्ताह छह

कालांश – तीन

गतिविधि 1— आपकी कहानी

संबंधित दक्षताएँ

C-3.1 क्रमबद्धता, शीर्षकों या उपशीर्षकों की पहचान, प्रारंभ और अंत और अनुच्छेद निर्माण की लेखन युक्तियों का उपयोग करते हैं।

C-3.3 समुचित जानकारी और प्रयोजन से पोस्टर, निमंत्रण, सरल कविताएँ, कहानियाँ और संवाद रचते हैं।

C-3.4 अपने लेखन में उपयुक्त भाषा, व्याकरण और संरचना का उपयोग करते हैं।

नीचे दिए गए चित्रों की सहायता से कहानी लिखिए। कहानी को एक शीर्षक देकर इस कहानी को कक्षा में प्रस्तुत कीजिए। आप निम्न शब्दों की सहायता ले सकते हैं —

(पीपल, कबूतर, भोजन, दाना, शिकारी, जाल, बूढ़ा कबूतर, चूहा, नदी किनारे, उड़ना, धन्यवाद)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सीखने के प्रतिफल

1. लिखित अभिव्यक्ति के लिए विचारों को व्यवस्थित करते हैं। शीर्षकों, उपशीर्षकों की योजना बनाते हैं, विचार-प्रवाह के अनुसार प्रमुख विचारों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इन सभी बिंदुओं में संबंध स्थापित करते हुए अनुच्छेदों में लिखते हैं।
2. नए संदर्भों से दिए गए कथानकों और पात्रों के आधार पर कहानियाँ और कविताएँ लिखते हैं।
3. उपयुक्त विराम चिह्नों (अल्पविराम, पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक चिह्न और विस्मयादिबोधक चिह्न, संबंध का चिह्न और उद्धरण चिह्न) सहित सुसंगत रूप से वाक्य लिखते हैं।
4. अपने अनुभवों, अपने विचारों और पाठ्यवस्तु में निहित विचारों को लिखते समय विभिन्न प्रकार के वाक्यों का उपयोग करते हैं।

कालांश – एक

गतिविधि 2— कविता गायन

संबंधित दक्षता

C-1.3 मौखिक प्रस्तुतियाँ (कक्षा चर्चा, छोटे-छोटे स्वागत नोट, छोटे आयोजनों का संचालन, छोटे भाषण आदि) देते हैं।

नीचे दी गई कविता मिलकर गाएँ —

चार चने

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना तोते को खिलाते।
तोते को खिलाते तो टाँय-टाँय गाता,
टाँय-टाँय गाता तो बड़ा मज़ा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना घोड़े को खिलाते।
घोड़े को खिलाते तो पीठ पर बिठाता,
पीठ पर बिठाता तो बड़ा मज़ा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना चूहे को खिलाते।
चूहे को खिलाते तो दाँत टूट जाता,
दाँत टूट जाता तो बड़ा मज़ा आता।

—निरंकार देव 'सेवक'

सीखने के प्रतिफल

1. विद्यालय सभा जैसे महत्त्वपूर्ण अवसरों पर मौखिक प्रस्तुतियाँ और छोटे भाषण देते हैं और स्वतंत्र रूप से आयोजनों का संचालन करते हैं।

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING